



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 54]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 1993/चैत्र 10, 1915

No. 54]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 31, 1993/CHAITRA 10, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 118 (पी एन)/92—97

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1993

विषय:—निर्यात-आयात नीति 92-97 अखबारी कागज के आयात से  
संबंधित नीति ।

फा. सं. आई पी सी/4/3/245/92—97/3205—अखबारी कागज  
के लिए आयात से संबंधित वार्षिक मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 4  
आई टी सी (पी एन)/92—97 दिनांक 31 मार्च, 1992 की ओर ध्यान  
दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 1993-94 के लिए अखबारी कागज के  
आयात से संबंधित शर्तें निम्नलिखित पैराग्राफों में दी गई हैं:—

2. आयात की अनुमति उनको दी जाएगी जिनके पास भारत के  
समाचार-पत्रों के पंजीयक (आर. एन. आई.), भारत सरकार, सूचना  
एवं प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी किया गया "अखबारी कागज  
आयात करने की हकदारी का प्रमाण-पत्र" हो।

3. अखबारी कागज के आयात के लिए वास्तविक उपभोक्ता शर्त  
लागू होगी। आयात किए गए अखबारी कागज का प्रयोग केवल उन  
समाचार पत्रों के प्रकाशन के लिए किया जाएगा जिनके लिए आर. एन.  
आई. द्वारा हकदारी प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो। आयात किए गए  
अखबारी कागज को लिखित रूप में आर. एन. आई. पूर्ण अनुमति के  
बिना न तो बेचा जाएगा न उधार दिया जाएगा और न ही हस्तान्तरित  
अथवा किसी भी अन्य तरीके से निपटाया जाएगा।

4. जिन समाचार पत्रों की वार्षिक हकदारी आर. एन. आई.  
द्वारा 200 मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज से अधिक निर्धारित की गई  
है उनके मामले में वे मानक अखबारी कागज का आयात इस शर्त पर  
करने के लिए स्वतंत्र होंगे कि उनके द्वारा खरीदे गए देश में उत्पादित  
अखबारी कागज के प्रत्येक 2 मीट्रिक टन पर उन्हें मानक अखबारी कागज  
के एक मीट्रिक टन का आयात करने का अधिकार होगा। इस उद्देश्य के  
लिए देश में उत्पादित अखबारी कागज का अर्थ इस कार्य से है जो  
समय-समय पर यथा-संशोधित अखबारी कागज नियंत्रण आदेश 1962 की  
अनुसूची-1 में सूचीबद्ध मिलों से खरीदा गया हो। ऐसे समाचार पत्रों को  
एक निर्धारित प्रपत्र में एक अर्द्धवार्षिक विवरणी वित्तीय वर्ष के 30  
सितम्बर और 31 मार्च को समाप्त होने वाली छमाही के लिए आर.  
एन. आई. को और उसकी एक प्रति महानिदेशक विदेश व्यापार को

संबंधित छ:माही के समाप्त होने के 30 दिन के भीतर भेजनी होगी विवरणी की सत्यता और यथार्थता सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित की जाएगी। विवरणी में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि देश में उत्पादित अखबारी कागज की खरीद प्रत्येक वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) की पूर्ववर्ती छ:माही की अवधि के दौरान आयात किए गए मानक अखबारी कागज का दोगुणी मात्रा से कम नहीं था। ऊपर उल्लिखित सार्वजनिक सूचना दिनांक 31 मार्च, 1992 में निर्धारित शर्तों को पूरा करने के अधीन वित्तीय वर्ष 1992-93 में समाचार पत्र द्वारा आयात किए गए मानक अखबारी कागज के लिए आर. एन. आई. वर्ष 1993-94 के लिए भी आयात हकदारी प्रमाण-पत्र को पुनः वैध करेगी।

5. जिन समाचार पत्रों की वार्षिक हकदारी आर. एन. आई. द्वारा 200 मीट्रिक टन से कम निश्चित की गई है उनके मामले में 1993-94 के लिए आयात के लिए अनुमति अखबारी कागज की अधिकतम मात्रा को निर्दिष्ट करते हुए आर. एन. आई मानक अखबारी कागज के आयात के लिए वार्षिक हकदारी प्रमाण-पत्र जारी करेगी। आर. एन. आई. द्वारा निर्धारित मात्रा का आयात संबंधित समाचार पत्रों द्वारा एक या अधिक किशतों में किया जा सकता है ऐसे समाचार पत्रों की वित्तीय वर्ष समाप्त होने पर एक महीने के भीतर आर. एन. आई. द्वारा विहित प्रपत्र में सनदी लेखापाल द्वारा विधिवत् प्रमाणित एक वार्षिक रिपोर्ट आर. एन. आई को प्रस्तुत करनी होगी और उसकी एक प्रति महानिदेशक, विदेश व्यापार को भेजनी होगी।

6. विवरणी को समय के भीतर प्रस्तुत करने में असफल रहने पर, अथवा झूठी सूचना प्रस्तुत करने पर अथवा आयातित अखबारी कागज के अप्राधिकृत प्रयोग पर या बेचने पर जो अन्य कार्रवाही उसके विरुद्ध की जा सकती उसको ध्यान में रखे बिना संबंधित समाचार-पत्र को भविष्य के लिए आयात हकदारी प्रमाण-पत्र लेने के अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

7. ग्लेज्ड अखबारी कागज का आयात केवल आर. एन. आई द्वारा जारी किए गए "ग्लेज्ड अखबारी कागज आयात करने के हकदारी प्रमाण-पत्र" के आधार पर किया जाएगा। ऐसा प्रमाण-पत्र केवल उन आधिकारिक पत्रिकाओं के लिए जारी किया जाएगा जो नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं और जिनमें बहु-रंग मुद्रण आवश्यकतायें होती हैं। आर. एन. आई. द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र के आधार पर ऐसी आधिकारिक पत्रिकायें अपने निजी प्रयोग के लिए ग्लेज्ड अखबारी कागज का ब्योरा देते हुए वित्तीय वर्ष के समाप्त होने पर एक महीने के भीतर सनदी लेखापाल द्वारा विधिवत् प्रमाणित एक वार्षिक विवरणी विहित प्रपत्र में आर. एन. आई. को भेजेगी और उसकी एक प्रति महानिदेशक विदेश व्यापार को भेजेगी।

8. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में उल्लिखित हकदारी प्रमाण-पत्रों की अधि-प्रमाणीकृत प्रतियां अखबारी कागज के आयात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत की जाएगी।

9. समाचार पत्र स्वयं अखबारी कागज का आयात सीधे या उनके द्वारा प्राधिकृत अखबारी कागज से संबंधित एजेंट के माध्यम से कर सकते हैं।

10 इसे लोकहित में जारी किया गया है।

सो. के. मोदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

## MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 118(PN)/92—97

New Delhi, the 31st March, 1993

**SUBJECT : Export and Import Policy 1992—97—  
Policy relating to the import of Newsprint.**

F. No. IPC/4/5/245/92—97/3205.—Attention is invited to the Ministry of Commerce Public Notice No. 4-ITC(PN)/92—97 dated the 31st March, 1992

regarding the Import Policy for Newsprint. The conditions for import of newsprint for the financial year 1993-94 are set out in the following paragraphs.

2. Imports shall be allowed for those who hold a "Certificate for Entitlement to Import Newsprint" issued by the Registrar of Newspaper for India (RNI), Government of India, Ministry of Information and Broadcasting, New Delhi.

3. The Actual User condition shall apply to the import of newsprint. The imported newsprint shall be used only for the publications of the newspaper for which the entitlement certificate has been issued by the RNI. The imported newsprint shall not be sold, loaned, transferred or disposed of in any other manner except with the prior permission in writing of the RNI.

4. In the case of those newspapers, whose annual entitlement is determined by the RNI to be more than 200 metric tonnes of standard newsprint, the newspapers shall free to import standard newsprint on the condition that for every two metric tonnes of indigenously produced newsprint purchased by them, they will be entitled to import one metric tonne of standard newsprint. For this purpose, indigenously produced newsprint shall mean newsprint purchased from the mills listed in Schedule I of the Newsprint Control Order, 1962 as amended from time to time. Such newsprint shall submit half yearly returns to the RNI in the prescribed form, with a copy to the Director General of Foreign Trade, for the half yearly periods ending 30th September and 31st March, of the financial year within 30 days of the close of the half yearly period concerned. The returns shall be certified to be true and correct by a Chartered Accountant. The returns should clearly show that the purchase of indigenously produced newsprint was not less than twice the quantity of the standard newsprint imported during the preceding six month period. Subject to the fulfilment of the conditions prescribed in the aforementioned Public Notice of 31st March, 1992 for the standard newsprint imported by the newspaper in the financial year 1992-93, the RNI revalidate the import entitlement certificate for the year 1993-94 also.

5. In the case of those newspapers whose annual entitlement is determined by the RNI to be less than 200 metric tonnes, the RNI shall issue an Annual Entitlement Certificate for import of standard newsprint specifying the maximum quantity that the newspaper is allowed to import for the year 1993-94. The quantity specified by the RNI may be imported in one or more instalments by the newspaper concerned. Such newspapers shall submit an annual report to the RNI in the prescribed form, with a copy to the Director General of Foreign Trade within one month of the close of the financial year duly certified by a Chartered Accountant.

6. Without prejudice to any other action that may be taken, failure to submit the returns in time or submission of false information or unauthorised use or disposal of imported newsprint shall disqualify the newspaper concerned for future import entitlement certificates.

7. Glazed newsprint shall be imported only on the basis of a "Certificate for Entitlement to import Glazed Newsprint" issued by the RNI. Such a certificate shall be issued only to those periodicals which are regularly published and which have multicolour printing requirements. On the basis of the certificate issued by the RNI, such periodicals may import glazed newsprint without any quantitative restriction for their own use. The periodical shall submit an annual return in the prescribed form to the RNI, duly certified by a Chartered Accountant, with a copy to the Director General of Foreign Trade, within one month of the close of the financial year, giving details of the glazed newsprint imported and utilised.

8. Authenticated copies of the entitlement certificates mentioned in the preceding paragraphs shall be produced before the customs authorities at the time of import of the newsprint.

9. The newspapers may import the newsprint directly by themselves or through a newsprint handling agent authorised by them.

10. This has been issued in public interest.

C. K. MODI, Director General of Foreign Trade

